सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 19 सितम्बर, 2025
वर्षः 02, अंकः 246, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गोकशी की सूचना पर पहुँची पुलिस पर हमला... » Pg02

बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आई योगी की बायोपिक! » Pg12

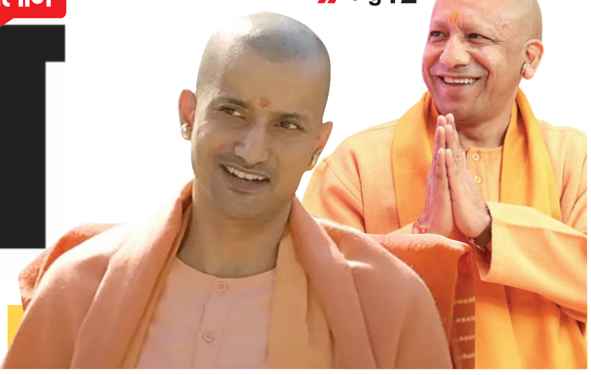

एसपी गोयल के बांट दिए गये सभी विभाग

यूपी में फिर बड़े पैमाने पर तबादला एक्सप्रेस का जोर

मुख्य सचिव बिना विभाग वाले अफसर, कई प्रमुख सचिवों के विभागों में तीसरे दिन भी फेरबदल जारी

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी में आईएएस अफसरों को ताबड़तोड़ तबादले जारी हैं। तीन दिन में दूसरी बार वरिष्ठ आईएएस अफसरों का ट्रांसफर किया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल के सभी विभाग अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिवों में बांट दिया गया है। अब वह बिना विभाग वाले अफसर हो गए हैं। इसके साथ ही कई प्रमुख सचिवों के विभागों में फेरबदल किया गया है। 13 आईएएस अफसरों की जिम्मेदारियां बदली हैं। आज के तबादले को बहुत बड़ा बदलाव माना जाना चाहिए। विभागों के प्रमुख सचिव कई साल में एक बार ही बदले जाते रहे हैं। आज भी कई ऐसे प्रमुख सचिव बदले हैं जो तीन से चार साल से अपने पद पर थे।

संजय प्रसाद प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग के पद से अवमुक्त।

मुख्य सचिव एसपी गोयल के पास अभी तक तक अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अध्यक्ष पिकप, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीडा, मुख्य कार्यपालक अधिकारी उपशा, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा परियोजना निदेशक, यूपीडास्प के पद थे। अब उनके पास कोई विभाग नहीं है। इनके ज्यादातर विभाग अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार के पास चले गए हैं।

दीपक कुमार को अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के पद से अवमुक्त कर उन्हें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अध्यक्ष, पिकप, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूपीडा, अपर मुख्य सचिव, नागरिक उड्डयन एवं समन्वय विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा परियोजना निदेशक, यूपीडास्प के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पार्थसारथी सेन शर्मा को प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ अब वह प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग भी रहेंगे।

अमित कुमार घोष के पास मौजूद प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन, पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विभाग का प्रभार अब मुकेश कुमार मेश्राम को सौंप दिया गया है। मुकेश कुमार मेश्राम अभी तक प्रमुख सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग था। अमृत अभिजात के पास प्रमुख सचिव, नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग था। अब वह प्रमुख सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग का प्रभार संभालेंगे।

संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग के पद से अवमुक्त कर दिया गया है। उनके पास अब प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, प्रोटोकॉल, सूचना एवं जनसंपर्क, गृह, गोपन, वीजा, पासपोर्ट, सतर्कता, नागरिक उड्डयन और राज्य संपत्ति पहले की तरह रहेगा। अजय चौहान के पास प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग के साथ ही मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उपशा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

आलोक कुमार-3 को प्रमुख सचिव, उ0प्र0 पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण एवं सामान्य प्रशासन विभाग तथा निदेशक, हिन्दी संस्थान के पद से अवमुक्त कर उन्हें नोडल अधिकारी, जीरो पॉवर्टी उत्तर प्रदेश अभियान का प्रभार दिया गया है। पी गुरूप्रसाद को प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग के पद से अवमुक्त कर उन्हें प्रमुख सचिव, नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग का प्रभार दिया गया है। मनीष चौहान को प्रमुख सचिव केल एवं युवा कल्याण विभाग से अब प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन, उ0प्र0 पुनर्गठन समन्वय, भाषा, राष्ट्रीय एकीकरण एवं सामान्य प्रशासन विभाग तथा निदेशक, हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश का प्रभार दिया गया है। रणवीर प्रसाद को खाद्य एवं रसद और उपभोक्ता मामलों के साथ ही प्रमुख सचिव राजस्व विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। श्रीमती अनामिका सिंह को खाद्य एवं रसद का आयुक्त बनाया गया है। पिछले तबादले में उन्हें सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद से बरेली का मंडलायुक्त बनाया गया था। अब भूपेन्द्र एस चौधरी बरेली का मंडलायुक्त बनाया गया है। उनके पास अभी तक आयुक्त खाद्य एवं रसद का पद था।

फर्जी हस्ताक्षर मामला

चार अगस्त को पुलिस ने लखनऊ से किया था गिरफ्तार

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

» प्रयागराज, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को छुड़ाने के लिए अपनी मां का फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप में उमर अंसारी की जमानत याचिका मंजूर कर ली है। फर्जी हस्ताक्षर मामले में उमर के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उमर अंसारी फिलहाल जेल में बंद हैं। जमानत के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति गौतम चौधरी की एकल पीठ के समक्ष याची उमर की तरफ से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा।

गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में उमर पर मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि उन्होंने गैंगस्टर एक्ट में जब्त जमीन को कोर्ट से छुड़ाने के लिए फर्जी दस्तावेज और मां के हस्ताक्षर किए हैं। पुलिस ने उमर को लखनऊ से गिरफ्तार किया था। उमर ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दाखिल की। उमर फिलहाल कासगंज की पचलाना जेल में बंद है। 23 अगस्त को उसे गाजीपुर की जेल से कासगंज ले जाया गया था।

कासगंज जेल में बंद उमर अंसारी की जमानत अर्जी को एडीजे प्रथम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मां अफ्शा अंसारी का फर्जी हस्ताक्षर कर जालसाजी के मामले में उमर अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। 21 अगस्त को गाजीपुर की एडीजे प्रथम कोर्ट ने उमर अंसारी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। उमर अंसारी के खिलाफ गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में 3 अगस्त 2025 को

एफआईआर दर्ज कराई गई थी। चार अगस्त को उमर अंसारी को पुलिस ने लखनऊ के दारूलशफा स्थित विधायक निवास से गिरफ्तार किया था।

उमर के खिलाफ थानाध्यक्ष मुहम्मदाबाद ने एफआईआर दर्ज कराई थी। जिस प्रॉपर्टी के लिए फर्जी हस्ताक्षर का आरोप है उसकी कीमत 10 करोड़ से अधिक है। यह प्रॉपर्टी सदर कोतवाली के बल्लभ देवढ़ी दास मोहल्ले में स्थित है। इसके डीएम के आदेश पर 2021 में कुर्क किया गया था। इसी भूमि को रिलीज कराने के लिए कोर्ट में दस्तावेज जमा किए गए थे। जांच में पाया गया कि दस्तावेजों पर जो हस्ताक्षर हैं वह अफ्शां के नहीं हैं। जब्त प्रॉपर्टी मुक्त कराने के लिए उमर अंसारी ने मां आफशां अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर से वकालतनामा दाखिल किया गया था, जबकि मां आफशां फरार है। आफशां अंसारी पर 50 हजार का इनाम घोषित है।

गोकशी की सूचना पर पहुँची पुलिस पर हमला, जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल

नर्वल जंगल में मांस काटते पकड़े गए आरोपी, पुलिस पर झोंकी गोलियां

» जवाबी कार्रवाई में जावेद घायल होकर गिरफ्तार, दो साथी फरार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।नर्वल थाना क्षेत्र में गोवंश काटे जाने की सूचना पर पहुँची पुलिस पर गुरुवार देर रात आरोपियों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई और उसे मौके पर ही दबोच लिया गया। वहीं उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पकड़े गए आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

पूरनपुर निवासी अर्जुन ने पुलिस को सूचना दी थी कि रायपुर की तरफ जंगल में तीन लोग एक गोवंश काट रहे हैं। सूचना मिलते ही नर्वल थाना पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपियों की घेराबंदी शुरू की। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने गोलियां चला दीं। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की।

इस दौरान गोली लगने से एक आरोपी घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे तुरंत दबोच लिया और पूछताछ शुरू की। पहले आरोपी ने अपना नाम-पता छिपाने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसने खुद को जावेद निवासी चमनगंज बताया। पुलिस ने घायल आरोपी का प्राथमिक इलाज कराया और फिर उसे थाने ले आई।

एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि गोकशी की सूचना पर कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चलाई। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी जावेद के पैर में गोली लगी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार दो अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।गांव वालों का कहना है कि इस इलाके में गोकशी का धंधा लंबे समय से चल रहा है। कई बार शिकायतें भी हुईं लेकिन आरोपी हर बार बच निकलते थे। पुलिस की ताजा कार्रवाई से लोगों में संतोष है और अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि फरार आरोपी भी जल्द पकड़े जाएंगे।

जवाबी कार्यवाही में घायल अपराधी

गौ मांस से भरा बैग

प्राविधिक शिक्षा निदेशक से कर्मचारी संगठनों की वार्ता

» समस्याओं के त्वरित समाधान का मिला आश्वासन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को प्राविधिक शिक्षा निदेशक अजीज अहमद से मुलाकात कर कर्मचारियों की विभिन्न सेवा संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश चंद्र श्रीवास्तव और प्रदेश संगठन मंत्री राजा भरत अवस्थी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निदेशालय में वार्ता की। इस दौरान कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों पर चर्चा की गई।

निदेशक अजीज अहमद ने गंभीरता से सभी बिंदुओं को सुना और त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में अजीत निगम, पारस नाथ, धर्मेंद्र सिंह, विवेक श्रीवास्तव, संजीव सार्थक, राहुल कुमार, यशवंत नियोगी, विकास पांडेय, मिथुन पटेल, आनंद झा, प्रशांत यादव, प्रियंका सिंह, धर्मेंद्र अवस्थी, अटल बिहारी और ब्रजेश कटियार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।प्रदेश संगठन मंत्री व जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने बताया कि परिषद हमेशा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर है और यह वार्ता उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गंगा पुल के पास नाले में मिला अज्ञात शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कोतवाली गंगा घाट में गंगा पुल के पास नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

कानपुर में शुक्रवार सुबह गंगा नदी पर बने नवीन गंगा पुल के शुक्लागंज छोर पर स्थित नाले में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया।

सुबह करीब साढ़े छह बजे, स्थानीय निवासी रेनू श्रीवास्तव ने झाड़ू लगाते समय नाले में शव देखा और तुरंत इसकी सूचना अपने पति और पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने पर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसे पुलिस ने हटाया।

कोतवाली गंगा घाट के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष है और उसने नीली धारीदार शर्ट और काली पैंट पहन रखी थी। पुलिस शव की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि युवक नाले में कैसे गिरा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंस्टाग्राम पर युवती बनकर रचा जाल, महिला से रेप और ब्लैकमेलिंग

» कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बनाया अश्लील वीडियो

» वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वसूले 1.50 लाख रुपये, केस दर्ज

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर।सोशल मीडिया पर दोस्ती का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि इंस्टाग्राम पर युवती बनकर दोस्ती करने वाले युवक ने महिला को होटल में बुलाया, जहां उसे नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया।

इसके बाद आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। तंग आकर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।बेकनगंज निवासी पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2024 में उसकी इंस्टाग्राम पर 'सानिया' नाम की प्रोफाइल

से दोस्ती हुई, जिसने खुद को लखनऊ निवासी बताया था। अक्टूबर 2024 में 'सानिया' ने मिलने के बहाने घंटाघर क्षेत्र के एक होटल बुलाया। जब पीड़िता वहां पहुँची तो कॉल उठाने वाले युवक ने खुद को 'सानिया' का भाई सूफियान बताया और उसे होटल के कमरे में ले गया। आरोप है कि यहीं पर कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर महिला से दुष्कर्म किया गया और गुपचुप तरीके से उसका वीडियो बना लिया गया।

महिला का आरोप है कि घटना के बाद से सूफियान वीडियो वायरल करने की धमकी देता रहा और कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही वीडियो डिलीट करने के नाम पर उससे 1.50 लाख रुपये भी वसूल लिए।

इसके बावजूद ब्लैकमेलिंग का सिलसिला जारी रहा।कलक्टरगंज थाना प्रभारी ललित कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और पीड़िता को हर संभव सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

कानपुर में जाम और पार्किंग को लेकर नगर निगम की नई पहल

» शहर के कई मार्केट वाले इलाकों में पार्किंग का इंतजाम किया जाएगा

» नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्था करने के लिए निर्देश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। लगातार बढ़ते जाम और अवैधानिक पार्किंग की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने ठोस कदम उठाए हैं। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने सुबह शहर का निरीक्षण करते हुए सफाई व्यवस्था, जलभराव निस्तारण और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि प्रमुख बाज़ारों और व्यस्त क्षेत्रों में अतिक्रमण और अवैधानिक पार्किंग के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। इस पर कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने वेंडिंग ज़ोन और पार्किंग स्थलों के चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नगर आयुक्त ने बताया कि स्वरूप नगर मुख्य बाज़ार, कंपनी बाग, तुलसी उपवन सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में 30 से अधिक पार्किंग स्थलों का चयन किया गया है। इन स्थानों को विकसित कर व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल यातायात को सुचारु बनाना है, बल्कि छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों को भी चिन्हित वेंडिंग ज़ोन में समुचित स्थान उपलब्ध कराना है, ताकि उनका व्यवसाय प्रभावित न हो और शहर की सड़कों पर अव्यवस्था भी न फैले।

नगर आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और अवैधानिक पार्किंग से बचें। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सहयोग से ही शहर को जाम से निजात दिलाकर बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

केडीए की सख्ती: जोन-4 में अवैध प्लॉटिंग पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

जोनल अधिकारी प्रवीण शर्मा की अगुवाई में कई बीघा जमीन पर ध्वस्तीकरण

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर शिकंजा कसते हुए कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने आज जोनल अधिकारी सहायक अभियंता प्रवीण शर्मा की अगुवाई में बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 को जोन-4 क्षेत्र में ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर अवैध प्लॉटिंग को तहस-नहस कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस बल और केडीए कर्मियों की भारी तैनाती की गई थी। टीम ने कई स्थलों पर अवैध निर्माण व प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया।

प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध प्लॉटिंग करने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि नियम विरुद्ध निर्माण और प्लॉटिंग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केडीए ने साफ किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलेंगे और अवैध कब्जों को जड़ से खत्म किया जाएगा।

इनपर हुई कार्रवाई....

आराजी संख्या 191, 192 (नगवा क्षेत्र)- लगभग 2 बीघा भूमि

आराजी संख्या 408 (सकरापुर क्षेत्र)- 4000 वर्ग मीटर

आराजी संख्या 542 (नगवा क्षेत्र)- 12000 वर्ग मीटर

आराजी संख्या 222 (सकरापुर क्षेत्र)- 4000 वर्ग मीटर

बूढ़पुर मछरिया (इसकोमिया स्कूल के सामने)-करीब 2.5 बीघा भूमि शामिल रही।

थाने के राधाकृष्ण मंदिर पर ताला, श्रद्धालुओं में नाराजगी

पुजारी ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

» पुजारी बोले- पुलिस प्राचीन मंदिर में ताला लगाकर आस्था को ठेस पहुंचाई।

» इंस्पेक्टर का दावा- मंदिर बंद नहीं, सुंदरीकरण होना है।

शिवराजपुर थाना परिसर में बने प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर में पड़ा ताला।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। करीब सात दशक पुराने शिवराजपुर थाना परिसर स्थित राधाकृष्ण मंदिर पर पुलिस द्वारा लगाए गए ताले को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। पुजारी ने इसे आस्था पर चोट बताया, वहीं इंस्पेक्टर का कहना है कि मंदिर बंद नहीं बल्कि उसका सुंदरीकरण होना है।

जानकारी के मुताबिक शिवराजपुर के बिलहन गांव निवासी ज्ञानेंद्र पांडेय करीब 45 वर्षों से इस मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वे मंदिर में ही पूजा सामग्री बेचते हैं। ज्ञानेंद्र का कहना है कि बुधवार रात पूजा के बाद उन्होंने मंदिर को सामान्य रूप से बंद किया था, आरोप है रात में थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी पूजा सामग्री बाहर निकालकर मंदिर में ताला जड़ गए। अगले दिन सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो ताला देखकर हैरान रह गए। इसके बाद पुजारी ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की और आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली है। मामले में शिवराजपुर इंस्पेक्टर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मंदिर का सुंदरीकरण प्रस्तावित है। फोटो उसी समय का है जब मंदिर सामान्य रूप से बंद रहता है। उन्होंने दावा किया कि मंदिर खुला है और श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना से रोका नहीं गया है।

गृहकर-जलकर वृद्धि का विरोध, सभासद ने ईओ को सौंपा ज्ञापन

» कहा आम नागरिक पर बोझ, कर वृद्धि न करने की मांग।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। नगर पालिका क्षेत्र में गृह कर और जल कर बढ़ाए जाने की चर्चाओं को लेकर विरोध तेज़ हो गया है। गुरुवार को वार्ड 13 जवाहर नगर के सभासद अशोक तिवारी उर्फ गुड्डा ने पालिका अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर कर वृद्धि न करने की मांग की।

सभासद अशोक तिवारी पालिका ईओ अंजनी मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए।

सभासद का कहना है कि वर्ष 2022 में जीआईएस सर्वे के बाद पहले ही कर बढ़ा दिया गया था। ऐसे में मात्र तीन साल के भीतर दोबारा वृद्धि करना जनहित में नहीं है और इससे आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ेगा।

ज्ञापन में सभासद ने लिखा है कि पालिका पहले कर बढ़ाने के बजाय जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने मांग की है कि प्रत्येक वार्ड में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, हर घर तक सीवर लाइन पहुंचाई जाए, आवारा पशुओं से नगर को मुक्त कराया जाए और वरासत से संबंधित अभिलेखों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। सभासद का कहना है कि जब तक पालिका इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करती, तब तक किसी भी तरह की कर वृद्धि उचित नहीं होगी। वहीं ईओ का कहना है उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और उनके निर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

दहेज के लिए बहू को सताया, पति सहित आठ लोगों पर केस

शादी के बाद से किया प्रताड़ित, तलाक की धमकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दहेज उत्पीड़न के एक मामले में पुलिस ने महिला की तहरीर पर पति समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि विवाह के बाद से ही उसे दहेज की माँग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और नामजद आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चंद्रशेखर आज़ाद नगर मोहल्ला निवासी नाजरीन बानो ने आरोप लगाया है कि उनका विवाह 9 जुलाई 2023 को रसूलाबाद (कानपुर देहात) के चीतीपुर गांव निवासी इसरार से हुआ था। विवाह के बाद से ही पति और ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज के रूप में नकदी व गहने की मांग करने लगे। नाजरीन का कहना है कि जब उसने मायके से रुपये और जेवर लाने से इंकार किया, तो उसे मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। यहां तक कि पति ने तीन तलाक देने की धमकी भी दी। आरोपितों में पति इसरार के अलावा सास चांदतारा, ससुर इम्तियाज, ननद सारजिन, जेठ इस्तिकार, जेठानी चमन, देवर जाफर और ननदोई इकलाख खान शामिल हैं। वहीं पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर आठों आरोपितों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुर्गी फार्म में किशोर की संदिग्ध मौत, मुआवजे को लेकर हंगामा

परिजनों ने शव रखकर दिया धरना, एक घंटे तक छाया रहा तनाव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर)। गढ़वा गांव स्थित एक मुर्गी फार्म में गुरुवार की शाम 17 वर्षीय किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर भड़क गए और शव रखकर फार्म के बाहर जमकर हंगामा किया। करीब एक घंटे तक तनाव की स्थिति बनी रही।

मृतक की फाइल फोटो।

ग्रामीणों के अनुसार मृतक समीर पुत्र मजीद शाम को गांव के बाहर बने मुर्गी फार्म गया था। वहां कुछ देर बाद उसकी हालत अचानक बिगड़ गई और उसे लगातार उल्टियां होने लगीं। परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

किशोर की मौत से गुस्साए परिजन व ग्रामीण मुआवजे की मांग करते हुए फार्म के बाहर धरने पर बैठ गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाइश के बाद लोगों को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि समीर कभी-कभार जरूरत पड़ने पर मुर्गी फार्म में काम करने चला जाता था। वहीं, परिजनों ने आशंका जताई है कि फार्म में कोई जहरीला पदार्थ या गैस के असर से उसकी तबीयत बिगड़ी होगी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। रिपोर्ट मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही प्रशासन ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि यदि लापरवाही पाई गई तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सम्पादकीय

दुनिया के विपरीत भारत में बेटा अनुराग

देशकाल–परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या– जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज दरअसल, माता–पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे–धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां–बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां–बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं।वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5(2019–21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता–पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता–पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं।

ट्रंप के दावों के बावजूद रुकेगा नहीं ईरान

पुष्परंजन

क्या ट्रम्प के 'सीज़ फ़ायर' बोल भर देने से शांति हो जायेगी? इस सच से अमेरिकन्स वाकिफ हैं कि अकेला ईरान है, जिसके 'हमास', 'हिज्बुल्लाह', 'इस्लामिक जिहाद' जैसे प्रॉक्सी मिलिटेंट्स, पूरे मिडल ईस्ट में पसरे हुए हैं।आप ईरान के ठिकानों पर कोऑर्डिनेटेड बमबारी करें, फिर घोषणा कर दें, कि इस्राइल-ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह अमेरिकी दादागिरी का दीगर रूप है। ख़ुद की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, 'ट्रुथ सोशल' पर डोनाल्ड ट्रम्प बोले, 'यदि ईरान के पास परमाणु हथियार है, तो आप शांति नहीं पा सकते।' ऐसे बोल-वचन इसलिए, ताकि पश्चिमी देश खुश हो जाएं। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई अपरिहार्य और नैतिक रूप से उचित साबित हो। ये वही ट्रम्प हैं, जो बात-बात पर परमाणु बम की धमकी देने वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में दावत देते हैं। लेकिन, तोताचश्म पाकिस्तान ने बयान दिया, कि हम ईरान के साथ खड़े हैं।

अगर, परमाणु क्षमता का आकांक्षी ईरान शांति का दुश्मन है, तो अमेरिका के पास लगभग 5,244 परमाणु हथियार हैं, जो कि इस्राइल के अघोषित शस्त्रागार में अनुमानित संख्या से दस गुना अधिक हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु अधिकरण (आईएइए) खुफिया के अनुसार, 'ईरान ने अभी तक परमाणु हथियार नहीं बनाया है।' ईरान परमाणु हथियारों के अप्रसार (एनपीटी) पर संधि का हस्ताक्षरकर्ता बना हुआ है। इजरायल नहीं है।अमेरिका के पास 100 से अधिक देशों में 800 से अधिक सैन्य अड्डे हैं। इसकी तुलना चीन से करें, जो पड़ोसी क्षेत्रों में केवल एक विदेशी सैन्य अड्डे रखता है, या रूस, जो लगभग बीस सैन्य अड्डों का प्रबंधन करता है। यह वैश्विक स्थिरता का संकेत नहीं है। यह एक साम्राज्यवादी ढब है। पूरी दुनिया का चौधरी बने रहने की लिप्सा। विदेश संबंध परिषद के अनुसार, 'इस समय मध्य पूर्व में कम से कम 19 अमेरिकी मिलिटरी बेस हैं। इनमें से आठ स्थायी सैन्य ठिकाने हैं।' बहरीन, मिस्र, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में बनाए अमेरिकी सैन्य ठिकाने हटवाने की हिम्मत वहां की कठपुतली सरकारें नहीं करतीं। अमेरिका ने पूरे मिडल ईस्ट में लगभग 40,000 सैनिक तैनात किये हैं।

क़तर में 1996 में निर्मित अल उदीद एयरबेस मध्य पूर्व का सबसे बड़ा अमेरिकी सैन्य अड्डा है। यह ईरान द्वारा लक्षित स्थलों में से एक था। इस बेस पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड का क्षेत्रीय मुख्यालय है, जहां 11,000 से अधिक अमेरिकी और गठबंधन सेना के सदस्य रहते हैं। यहां जो कुछ ईरानी हमला हुआ, ट्रम्प ने उसका मखौल उड़ाया। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े की तैनाती है, जिसमें लगभग 9,000 सैन्य कर्मी और नागरिक कर्मचारी शामिल हैं। इराक में लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिक हैं। 3 जनवरी, 2020 को ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के प्रतिशोध में अल–असद और एरबिल अमेरिकी बेस को ईरान ने निशाना बनाया था।

वर्ष 2023 से ईरान समर्थित हौथी आतंकवादी समूह लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले कर रहे हैं, जिसमें अमेरिकी जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। इराक में तेहरान समर्थित शिया मिलिशिया, हिजबुल्लाह अलग से एक्टिव हैं। तो क्या ट्रम्प के 'सीज़ फ़ायर' बोल भर देने से बंदूकें गरजनी बंद हो जायेंगी? इस सच से अमेरिकन्स और इस्राइली वाकिफ हैं कि अकेला ईरान है, जिसके 'हमास', 'हिज्बुल्लाह', 'इस्लामिक जिहाद' जैसे प्रॉक्सी मिलिटेंट्स, पूरे मिडल ईस्ट में पसरे हुए हैं। सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख 'स्विंग स्टेट' कूटनीतिक समाधान की कोशिश में हैं। सऊदी अरब, मिस्र, इराक, जॉर्डन सहित अधिकांश अरब राज्यों ने ईरान पर इस्राइल के हमलों की निंदा की है, ताकि तेहरान को इन पर भरोसा हो। ट्रम्प ने ऐसी प्रतिक्रिया सोची नहीं थी। युद्धविराम की तत्काल घोषणा की सबसे बड़ी वजह यह भी है।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के प्रतिनिधि हुसैन शरीयतमादारी ने कट्टरपंथी कायहान अखबार से कहा, 'अब हमारी बारी है। हम बिना समय बर्बाद किए।

कड़वाहट से मुक्ति के लिये सम्मानजनक अलगाव

नो फाल्ट तलाक

डा0 सुधीर कुमार

शिल्पा बनाम वरुण श्रीनिवासन (2023) के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत, 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' के आधार पर सीधे तलाक को मंजूरी दी थी। इसे 'नो-फॉल्ट' सिद्धांत की दिशा में एक बड़ा और प्रगतिशील कदम माना गया।आज के बदलते सामाजिक परिवेश में, जहां रिश्ते जटिल होते जा रहे हैं, तलाक एक ऐसी सच्चाई है जिससे मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। भारत में तलाक की प्रक्रिया अक्सर लंबी, तनावपूर्ण और आरोप-प्रत्यारोप से भरी होती है।

यह न केवल पति–पत्नी बल्कि उनके बच्चों और परिवारों के लिए भी भावनात्मक और आर्थिक बोझ बन जाती है। पारंपरिक तलाक कानूनों में, तलाक तभी दिया जाता है जब एक पक्ष दूसरे पक्ष पर 'गलती' (जैसे व्यभिचार, क्रूरता, परित्याग) साबित करे। इसमें अक्सर एक लंबी और थकाऊ कानूनी लड़ाई शामिल होती है, जिसमें दोनों पक्षों को एक–दूसरे पर आरोप लगाने पड़ते हैं, जिससे कड़वाहट और दुश्मनी बढ़ती है।इसके विपरीत, 'नो–फॉल्ट' तलाक में, तलाक के लिए किसी भी पक्ष को दूसरे की गलती साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। उन्हें बेवफाई, क्रूरता या परित्याग जैसे विशिष्ट कारणों को साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि यदि विवाह अपरिवर्तनीय रूप से टूट गया है और सुलह की कोई संभावना नहीं है, तो दोनों पक्षों को सम्मानपूर्वक अलग होने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसका मुख्य आधार 'अपरिवर्तनीय रूप से टूट चुका विवाह' होता है। ऐसे में, विकसित

देशों के अनुभवों से सीखना महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां 'नो–फॉल्ट' तलाक एक सफल मॉडल साबित हुआ है।विकसित देशों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया में 'नो–फॉल्ट' तलाक ने कई सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। सबसे पहले, इसने तलाक की प्रक्रिया को काफी सरल और तेज बना दिया है। अदालती कार्यवाही कम होती है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। दूसरा, यह प्रक्रिया को कम विरोधी बनाता है। जब किसी एक पक्ष पर दोष नहीं लगाया जाता, तो कटुता और प्रतिशोध की भावना कम होती है, जिससे बच्चों के लिए बेहतर माहौल बनता है और भविष्य में सह–पालन की संभावना बढ़ जाती है। तीसरा, यह महिलाओं को सशक्त बनाता है। पारंपरिक तलाक कानूनों में अक्सर महिलाओं को अपनी स्थिति साबित करने के लिए अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ता था, लेकिन 'नो–फॉल्ट' तलाक उन्हें इस बोझ से मुक्त करता है।भारत में वर्तमान में तलाक के लिए विभिन्न आधार उपलब्ध हैं और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत आपसी सहमति से तलाक (धारा 13 बी) शामिल हैं। आपसी सहमति से तलाक 'नो–फॉल्ट' सिद्धांत के करीब है, लेकिन इसमें भी कुछ शर्तें और प्रतीक्षा अवधि शामिल है। भारत में तलाक से संबंधित मौजूदा कानून, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, अभी भी काफी हद तक 'फॉल्ट–आधारित' है। जबकि आपसी सहमति से तलाक का प्रावधान है, यह तभी संभव है जब दोनों पक्ष सहमत हों और एक निश्चित अवधि तक अलग रह चुके हों। लेकिन अगर एक पक्ष तलाक नहीं चाहता, तो दूसरे पक्ष को क्रूरता, व्यभिचार, परित्याग या मानसिक बीमारी जैसे आधारों पर दोष साबित करना पड़ता है। यह प्रक्रिया अक्सर अपमानजनक और लंबी खींचने वाली होती है, जिससे दोनों पक्षों को मानसिक और भावनात्मक आघात पहुंचता है। इस महत्वपूर्ण मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' के आधार पर है।

सीधे तलाक को मंजूरी दी।

राज्यपाल की समीक्षा बैठक में 'निरुत्तर अफसरशाही'

गंदगी और अतिक्रमण पर नगर आयुक्त से मांगा जवाब

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' की रिपोर्ट न लाने पर सीएमओ पर नाराजगी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की गंदगी और अतिक्रमण समेत शासन की योजनाओं पर लापरवाही कर रहे आलाधिकारियों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समीक्षा बैठक में जमकर क्लास लगाई। नगर आयुक्त, सीएमओ समेत अन्य अफसरों को काम में सुधार लाने की हिदायत दी गई है। राज्यपाल सीएसए दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद शाम पांच बजे पुलिस लाइन पहुंची थीं। उन्होंने जिले की समीक्षा बैठक पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, उपनिदेशक कृषि, बाल विकास एवं पुष्टाहार अधिकारी प्रीति सिन्हा, बीएसए सुरजीत कुमार, एडीआईओएस प्रशांत द्विवेदी के साथ की।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त सुधीर कुमार से अतिक्रमण और गंदगी को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि शहर में अतिक्रमण है और अफसर इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस पर नगर आयुक्त ने बताया कि अतिक्रमण को हटाने को लेकर नए वेडिंग जोन बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। रेहडी और ठेलों वालों को यहीं पर शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर में लगीं होर्डिंग को हटवाएं। गृहकर इतना क्यों बढ़ा आया कि शहर की जनता परेशान है। अवैध होर्डिंग्स पर बताया कि इन्हें हटाए जाने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सीएमओ नहीं दे सके रिपोर्ट

राज्यपाल ने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर शुरू किए गए 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' के तहत जिले में बेटी और महिलाओं की हुई निशुल्क जांचों की सीएमओ हरिदत्त नेमी से रिपोर्ट मांगी। उन्होंने सशक्त नारी अभियान के तहत दो दिन से जिले में हो रहीं महिलाओं की जांच में बेटियां और महिलाएं कितनी बीमारियों से ग्रसित मिली की जानकारी पूछी। इस पर सीएमओ ने रिपोर्ट न लाने की बात कही। इसके बाद उन्होंने अस्पतालों में व्यवस्थाओं के साथ वहां के स्टाफ की जानकारी भी ली। राज्यपाल ने अफसर से रिपोर्ट और जानकारी के साथ न आने की बात कहते हुए नाराजगी जाहिर की।

कोई जवाब नहीं दे पाए बेसिक शिक्षा अधिकारी

बैठक के दौरान बीएसए से प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे कायाकल्प अभियान और एडीआईओएस प्रशांत द्विवेदी से प्रोजेक्ट अलंकार की जानकारी ली। पूछा, एडेड स्कूलों में विकास के नाम पर बच्चों से जो पैसा लिया जाता है उससे क्या-क्या काम होते हैं। इसकी कोई रिपोर्ट लेते हैं? इस पर वह कोई जवाब नहीं दे पाए। इस पर राज्यपाल ने कहा कि एडेड विद्यालयों में लिए जा रहे पैसों की समीक्षा करें इसकी पूरी रिपोर्ट लें। प्रबंधकों की मनमानी पर रोक लगाएं। प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत अन्य कॉलेजों को भी जोड़े जाने पर बल दिया और कहा कि एडेड विद्यालयों के प्रबंधकों को इसके अंतर्गत कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

निराश्रित महिलाओं को बनाएं हुनरमंद

राज्यपाल ने कहा कि बालिका गृह और बाल सुधार गृह की स्थिति में सुधार किया जाए और इन्हें विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिया जाए। साथ ही बच्चों के वहाँ से जाने के बाद उनकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए, जिससे यह पता चल सके कि वे आगे किस प्रकार की गतिविधियों में संलग्न हैं। इससे उनके भविष्य को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। जो गरीब निराश्रित महिलाएं पेंशन ले रहीं हैं उन्हें हुनरमंद बनाया जाए ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी होकर जीवनयापन कर सकें।इसके बाद आंगनबाड़ी में चल रही हाट कुक्ड योजना के तहत बर्तनों की कमी से बच्चों को गर्म भोजन न मिलने पर नाराजगी जताई। जिले में आंगनबाड़ी के खाली पदों के सही आंकड़े न बताने पर डीपीओ पर भड़क गईं। उन्होंने हॉट कुक्ड मील योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, जल्द बर्तन खरीदने और व्यवस्थाओं को सुधारने के आदेश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर बृहद जनजागरूकता कैंप आयोजित किए जाएं। इन कैंपों में मिशन शक्ति, स्वच्छता, माहवारी संबंधी जागरूकता और एनीमिया की जांच जैसी गतिविधियाँ अनिवार्य रूप से शामिल हों।

त्याग, समर्पण और सेवाभाव की मिसाल-डीएम कपिल सिंह

» राज्यपाल आनंदी बेन पटेल कानपुर में एक कार्यक्रम में किया सम्मानित

» राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। जनपद कानपुर देहात के जिलाधिकारी कपिल सिंह ने अपनी सौम्य कार्यशैली, ईमानदार छवि और जनसेवा के प्रति समर्पण से प्रशासनिक जगत में एक अलग पहचान बनाई है। प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने में उनकी उत्कृष्ट भूमिका को देखते हुए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने न सिर्फ उनकी उपलब्धियों की सराहना की बल्कि उनकी पीठ थपथपाते हुए उन्हें आम जनता के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

डीएम कपिल सिंह ने अपने कार्यकाल में विकास योजनाओं को अमली जामा पहनाने में विशेष पहल की है।

चाहे बुनियादी ढाँचे का विस्तार हो, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, या फिर शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को समयबद्ध ढंग से लागू करना—उन्होंने हर क्षेत्र में बेहतर समन्वय स्थापित किया है।जमीनी स्तर पर जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और तत्काल समाधान कराना उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी खासियत है।

यही कारण है कि आमजन उन्हें एक न्यायप्रिय और जनलोकप्रिय अधिकारी के रूप में देखते हैं।

कानपुर देहात के लोग डीएम कपिल सिंह को त्याग, समर्पण और सेवाभाव की सजीव मिसाल मानते हैं, जिन्होंने प्रशासन को केवल शासन की मशीनरी न मानकर जनता की सेवा का सशक्त माध्यम बनाया है।

कानपुर की कवयित्री डॉ. कमलेश शुक्ला कीर्ति को भूटान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। शहर की प्रतिष्ठित कवयित्री एवं कानपुर अंतरराष्ट्रीय महिला मंच मन से मंच तक उत्तर प्रदेश (मध्य) की उपाध्यक्ष डॉ. कमलेश शुक्ला कीर्ति को भूटान की राजधानी थिंपू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भूटान-भारत साहित्य महोत्सव में हिंदी साहित्य रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। यह आयोजन 12 से 17 सितंबर 2025 तक क्रांति धरा साहित्य अकादमी द्वारा भव्य रूप से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर डॉ. शुक्ला को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उनकी दो कृतियाँ –सागर की लहरें (काव्य संग्रह) एवं सागर के मोती (काव्य संग्रह) का विमोचन भी किया गया। उल्लेखनीय है कि उनकी अब तक अनेक पुस्तकें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक मंचों पर प्रकाशित व विमोचित हो चुकी हैं।

डॉ. कमलेश शुक्ला कीर्ति देश-विदेश में हिंदी साहित्य की गरिमा को बढ़ाते हुए निरंतर अपने लेखन व काव्य-पाठ से समाज में साहित्यिक चेतना जाग्रत कर रही हैं।

सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र में टूटी सड़कों ने बढ़ाई मुसीबतें

ग्रामीणों ने की निर्माण की मांग

स्वराज इंडिया संवाददाता

उन्नाव। विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी क्षेत्र में बाढ़ का पानी अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीणों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। पिछले दिनों आई भीषण बाढ़ से क्षेत्र की कई दर्जन सड़कों पर पानी भर गया था। लगातार भीगे रहने और भारी वाहनों के आवागमन के चलते अधिकांश सड़कें टूट गई और कई जगह बह भी गईं, जिससे आवागमन में गंभीर दिक्कतें हो रही हैं।सुतियातारा से भीमेश्वर संपर्क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। वहीं, जगदीशपुर चौराहे से परिहर मार्ग पर बने गहरे गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। हाल ही में यहां पानी से भरे गड्ढों में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली फंसकर बह गई थी। चालक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई थी।इसी तरह, हाल ही में नवनिर्मित बरकोता पुल से बंधवा संपर्क मार्ग पर भी सड़क के बीचो-बीच गहरे गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों की वजह से कई बाइक सवार हादसे का शिकार होकर चोटिल भी हो चुके हैं।ग्रामीणों और राहगीरों का कहना है कि इन सड़कों पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण कराने की मांग की है।

गो-तस्करों की मदद के आरोपों से घबराए विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री राजू पोरवाल !

» स्वराज इंडिया अखबार को नोटिस भेज दबाव बनाने की कोशिश

» स्वराज इंडिया अखबार सच छापने से कभी नहीं डरता और न ही धमकियों से झुकने वाला है

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री राजू पोरवाल एक बार फिर विवादों में हैं। हाल ही में स्वराज इंडिया अखबार ने अपनी रिपोर्ट में राजू पोरवाल पर गंभीर आरोप प्रकाशित किए थे, जिनमें कहा गया था कि वह कानपुर देहात जिले में गो-तस्करों और हिस्ट्रीशीटरों की मदद करने वालों में शामिल रहे हैं। खबर छपने के बाद अब राजू पोरवाल की ओर से अखबार को लीगल नोटिस भेजा गया है। यह कदम खुद उनके खिलाफ उठे सवालों को दबाने और मीडिया पर दबाव बनाने की कोशिश माना जा रहा है।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी आरोपित व्यक्ति को सफाई देने का पूरा अधिकार है, लेकिन अगर वह मीडिया को ही दबाने की कोशिश करेगा तो यह न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास माना जाएगा। विपक्षी दल भी

अब सवाल उठा रहे हैं कि जब गंभीर आरोपों की जांच हो चुकी हुई है, तब ऐसे व्यक्ति को संगठन में ऊँचा पद देना कितना उचित है ?,

गो–तस्करों और हिस्ट्रीशीटरों की मदद के आरोप झेल रहे राजू पोरवाल का स्वराज इंडिया पर कानूनी नोटिस भेजना कहीं न कहीं उनकी घबराहट और सवालों से बचने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। अब देखना यह होगा कि क्या यह मामला कानूनी लड़ाई तक जाएगा या पोरवाल सार्वजनिक मंच पर आकर आरोपों का ठोस जवाब देंगे।

स्वराज इंडिया
कानपुर देहात
08
गोकसो और हिस्ट्रीशीटर की मदद करने वाला बना बैठा विश्व हिंदू परिषद का प्रांत मंत्री !
» राजू पोरवाल जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) कानपुर देहात के पद पर तैनात थे
» जांच में दोषी पाए जाने पर शासन ने किया था बर्खास्त
» गंभीर आरोप की जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी विहिप के पद पर कायम
विश्व हिन्दू परिषद
इस तरह के गंभीर आरोप

क्या थे आरोप ?

राजू पोरवाल, जब कानपुर देहात में जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) के पद पर तैनात थे, उस समय उन पर गो-तस्करों और हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को बचाने के गंभीर आरोप लगे थे।

जांच में दोषी पाए जाने के बावजूद भी वह लंबे समय तक अपने पद पर बने रहे।

कई मामलों में अभियोजन की कमजोरी और सबूतों से छेड़छाड़ जैसी कार्यवाहियों का आरोप भी उन पर लगाया गया।

घबराहट में उठाया नोटिस का हथियार

जैसे ही अखबार की यह खबर सामने आई, राजू पोरवाल की तरफ से तुरंत कानूनी नोटिस भेजा गया। नोटिस में खबर को "बदनाम करने वाली और झूठी" बताया गया है तथा इसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन कानूनी जानकारों का कहना है कि अगर आरोप निराधार हैं तो पोरवाल को खुलकर सबूतों के साथ सफाई देनी चाहिए, न कि अखबार को चुप कराने की कोशिश।

सवाल खड़े हो रहे हैं

1. अगर आरोप गलत हैं - तो फिर नोटिस भेजने की बजाय राजू पोरवाल को न्यायालय या सार्वजनिक मंच पर सबूतों से खुद को पाक-साफ साबित करना चाहिए।
2. अगर आरोप सही हैं - तो यह और गंभीर मामला है कि इतने विवादों के बावजूद उन्हें विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठन में जिम्मेदारी कैसे दी गई?
3. मीडिया पर नोटिस का दबाव डालना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारिता की आज़ादी पर हमला माना जा रहा है।

रनियां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो चोर दबोचे लाखों का पशु आहार बरामद

» ढाई सौ बोरी पशु आहार चोरी का खुलासा, डीसीएम समेत माल जब्त

» पैसों की तंगी में पत्नी की डिलीवरी का दिया बहाना, खरीदार बोला लालच में गलती हुई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।रनियां पुलिस ने पशु आहार चोरी के बड़े मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक डीसीएम वाहन और चालीस बोरी पशु आहार बरामद किया है। बरामद माल की कीमत लाखों में बताई जा रही है। फैक्ट्री प्रबंधन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दिया है।कुछ दिनों से रनियां औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री से पशु आहार की बोरियां चोरी होकर बाजार में बेचे जाने की शिकायत मिल रही थी।

इस पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और आरोपी कैफी अहमद व आशीष कुमार विश्नोई को धर दबोचा।कैफी ने पूछताछ में कबूला कि उसने अपने चाचा अनीस अहमद की डीसीएम से फैक्ट्री से करीब ढाई सौ बोरी पशु आहार चोरी किया था। इनमें से सौ बोरी उसने आशीष कुमार विश्नोई को लगभग एक लाख रुपये में बेचा और 60 हजार रुपये भी ले चुका था। बाकी बोरियां उसने फुटकर में बेच दी थीं। पुलिस ने बची हुई चालीस बोरियां और डीसीएम बरामद कर ली है।गिरफ्तार कैफी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती है और जल्द ही डिलीवरी होने वाली है। पैसों की जरूरत के कारण उसने चोरी का सहारा लिया। वहीं खरीदार आशीष विश्नोई ने माना कि कैफी को पहले से जानता था। कम दाम पर पशु आहार मिलने का लालच उसे भारी पड़ा और उसने सौ बोरियां खरीद लीं। उसने कहा कि इस घटना से उसकी छवि धूमिल हो गई है।इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

रविवार को 4 घंटे ठप रहेगी रनियां और औद्योगिक क्षेत्र की बिजली आपूर्ति

» कंडक्टर बदलने व बस आइसोलेटर के कार्य के लिए 33 केवी लाइन पर शटडाउन

» चकरपुर, रनियां, सरवन खेड़ा समेत कई क्षेत्रों में सुबह 10:30 से दोपहर 2:30 तक कटौती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।औद्योगिक क्षेत्र रनियां सहित आसपास के कई इलाकों में रविवार को चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। 220 केवी विद्युत उपकेंद्र रनियां में खराब कंडक्टर बदलने और बस आइसोलेटर के अनुसरण कार्य के चलते यह शटडाउन लिया गया है।220 केवी उपकेंद्र रनियां से निर्गत 33 केवी मेन बस–1 पर रखरखाव कार्य किया जाएगा। इसके चलते सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।प्रभावित क्षेत्रों में 33 केवी चकरपुर, केपीपी, सरवन खेड़ा, रनियां, जीपीएल, फटियर, आदित्य फ्लेक्सी पैक, वीके एग्रीकल्चर और कामधेनु शामिल हैं।उपखंड अधिकारी (ट्रांसमिशन) रनियां सत्य प्रकाश ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि इस दौरान आवश्यक तैयारियां कर लें, ताकि किसी असुविधा से बचा जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

खबर का असर: चलती कार पर स्टंट करने वाले 6 युवक गिरफ्तार

» हाईवे पर स्टंट का वीडियो वायरल होते ही पुलिस एक्शन मोड में

» हवालात में मुफ्त फोटोशूट, कार जब्त और 40,500 का भारी जुर्माना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।कानपुर-इटावा हाईवे पर चलती कार पर स्टंट करना छह युवकों को महंगा पड़ गया। स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और सभी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हवालात में उनका 'मुफ्त फोटोशूट' कराया और वीडियो को फोटोशूट मुफ्त, चालान महंगा स्लोगन के साथ सोशल मीडिया पर

पोस्ट कर दिया।

यह मामला सिकंदरा थाना क्षेत्र के सूर्या होटल

ओवरब्रिज के पास का है, जहाँ चलती कार पर युवक खतरनाक स्टंट करते दिखे। वीडियो को स्वराज इंडिया अखबार के एक्स हैंडल से तुरंत ट्वीट किया गया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदलपुर निवासी मुन्ना उर्फ सोहेल, तलिब, सैफ खान, अर्शी खान, मेराज अली और मोहित सिंह को गिरफ्तार कर लिया। स्टंट में इस्तेमाल कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया।

थानाध्यक्ष हरिओम त्रिपाठी ने बताया कि युवकों ने न केवल अपनी जान, बल्कि राहगीरों की जान भी जोखिम में डाली। इसी लापरवाही के चलते किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने युवकों पर शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए चालान किया और कार पर ?40,500 का भारी जुर्माना ठोंका।एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थानों पर स्टंटबाजी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वालों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ

» राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने रनिया पीएचसी में स्वास्थ्य शिविर का किया उद्घाटन

» बड़ी संख्या में महिलाओं व ग्रामीणों ने जांच और परामर्श सेवाओं का उठाया लाभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।रनिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने फीता काटकर किया। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। शुभारंभ अवसर पर पीएचसी प्रभारी डॉक्टर विशाल भसीन ने बुकें भेंट कर मंत्री का स्वागत किया।शिविर में पहुंचे ग्रामीणों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में स्वास्थ्य परामर्श लिया और मुफ्त दवाइयों व जांच सेवाओं का लाभ उठाया। राज्य मंत्री ने शिविर में लगे स्टालों का निरीक्षण कर डॉक्टरों और फार्मासिस्ट से जानकारी हासिल की। उन्होंने दवा के स्टॉक और अस्पताल परिसर की साफ–सफाई का भी जायजा लिया और संतोष जताया।

राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि हम सब मिलकर महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य का संकल्प लें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वे भवंतु सुखिन: संकल्प को ध्यान में रखते हुए यह शिविर समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है।इस मौके पर प्रधान संजय पांडेय, महेश, अभिषेक शर्मा, विवेक शर्मा, हरिकेश, अनूप सहित कई लोग मौजूद रहे।

बिना मान्यता स्कूलों पर अफसरों की चुप्पी, भ्रष्टाचार को मिल रहा संरक्षण

» सूचना और नोटिस के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, भ्रष्टाचार पर उठे सवाल

» बिना मान्यता स्कूलों में बढ़ी बच्चों की संख्या, परिषदीय नामांकन पर असर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया
कानपुर देहात
बिना मान्यता के स्कूलों पर शिक्षा विभाग की मेहरबानी

कानपुर देहात। बिना मान्यता के संचालित हो रहे स्कूलों पर बेसिक शिक्षा विभाग की मेहरबानी का खुलासा हो रहा है। सूचना देने और अखबारों में खबरें छपने के बावजूद अफसर कार्रवाई से कतरा रहे हैं। आरोप है कि बीएसए कार्यालय भ्रष्टाचार का संरक्षण दे रहा है, जिसके चलते फर्जी तरीके से चल रहे इन विद्यालयों को बंद नहीं कराया जा रहा।तेजतर्रार डीएम कपिल सिंह और सीडीओ लक्ष्मी एन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों पर कोई असर नहीं है। जबकि पूर्व में बेसिक शिक्षा निदेशक ने भी आदेश दिया था कि बिना मान्यता विद्यालय पाए जाने पर खंड शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे और उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों का दावा है कि कुछ विद्यालय संचालकों से मोटी रकम वसूलकर अफसर कार्रवाई टाल रहे हैं। विकासखंड मलासा के तुर्किमऊ गांव में बिना मान्यता का स्कूल खुलेआम संचालित हो रहा है, लेकिन विभाग सरकार की आंखों में धूल झोंकने में जुटा है।इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का नामांकन सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, जिससे बाद में उन्हें परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश नहीं मिल पाता और नामांकन दर लगातार गिर रही है।जिलाधिकारी कपिल सिंह से इस बाबत संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। अब सवाल है कि क्या प्रशासन इस बढ़ते भ्रष्टाचार और नियम विरुद्ध स्कूलों पर अंकुश लगाएगा या फिर यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

11 हजार लाइन के करंट ने ली मोर की जान, वन विभाग ने किया पंचनामा

» ग्रामीणों की सूचना पर भी देर से पहुंची 112 पुलिस, उठे सवाल

वन विभाग ने कराया पंचनामा, सम्मानपूर्वक किया जाएगा दफन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। जिले के माती क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत 112 नंबर पुलिस को सूचना दी, लेकिन समय से उपचार न मिलने के कारण मोर ने घंटों तड़पने के बाद दम तोड़ दिया।ग्रामीणों के मुताबिक सुबह करीब 9 बजे मोर 11 हजार लाइन की चपेट में आकर जमीन पर गिर पड़ा।

घायल हालत में उसे जंगली कुत्तों ने नोचना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने लाठी–डंडे से कुत्तों को भगाकर मोर को बचाया और मंगटा चौकी ले आए। लेकिन चौकी बंद होने के कारण उन्होंने 112 पर फोन किया।ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय से उपचार मिलता तो मोर की जान बच सकती थी। पुलिस ने देरी का कारण तिलौंची स्टेशन पर फाटक बंद होना बताया। इससे ग्रामीणों ने नाराजगी जताई।बाद में वन विभाग के कर्मी आकाश सिंह ने पंचनामा भरकर मोर के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा। रेंजर सर्वेश भदौरिया ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद मोर को पूर्ण सम्मान के साथ दफनाया जाएगा।

बाराबंकी: लोधेश्वर महादेव मंदिर में मिले अंग्रेज़ी हुकूमत के चांदी के सिक्के

» महादेवा कॉरिडोर के लिए चल रही खुदाई में निकले हैं सिक्के

» प्रशासन की सतर्कता से बची कालाबाज़ारी, सभी 75 सिक्के बाराबंकी ट्रेज़री में जमा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। रामनगर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पौराणिक लोधेश्वर महादेवा मंदिर एक बार फिर सुर्खियों में है। मंदिर परिसर के पास बनाए जा रहे महादेवा कॉरिडोर के निर्माण कार्य के दौरान शुक्रवार को मिट्टी की खुदाई में अचानक चांदी के पुराने सिक्के निकल आए। बताया जा रहा है कि ये सिक्के अंग्रेजों के जमाने के हैं और इनकी ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से अहमियत हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, मंदिर के पास स्थित एक जर्जर मकान को गिराकर जैसे ही नींव की खुदाई शुरू की गई, मजदूरों को मिट्टी में दबे सिक्कों का संग्रह दिखाई दिया।

देखते ही देखते खबर फैल गई और मौके पर मौजूद ठेकेदार व मजदूर सिक्कों को आपस में बाँटने की कोशिश करने लगे।

लेकिन प्रशासन की तत्परता ने इस कालाबाज़ारी पर रोक लगा दी। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी (एसडीएम) गुंजिता अग्रवाल और थाना प्रभारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उनकी निगरानी में सभी 75 सिक्कों को सुरक्षित रूप से बरामद कर बाराबंकी ट्रेज़री में जमा कराया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह खोज मंदिर की ऐतिहासिकता को और गहराई से समझने का अवसर प्रदान करेगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लोधेश्वर महादेवा मंदिर का उल्लेख महाभारत काल से मिलता है और इसे भगवान शिव का अति प्राचीन तीर्थ माना जाता है।

अब अंग्रेज़ी काल के इन सिक्कों की बरामदगी ने इस क्षेत्र को इतिहास के नए पन्नों से जोड़ दिया है।

पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों से उम्मीद की जा रही है कि सिक्कों की जांच कर उनकी वास्तविकता, कालखंड और उपयोगिता का पता लगाया जाएगा। लोधेश्वर बाबा के जयकारों के बीच मंदिर परिसर में इस अनोखी बरामदगी की चर्चा ज़ोरों पर है।

अफवाह से बचें, सच्चाई को जानें - महिला सम्मान को दें प्राथमिकता

»संवाददाता स्वराज इंडिया

चित्रकूट।किसी भी महिला से जुड़ी घटना को सनसनीखेज़ बनाना उसकी बदनामी का कारण नहीं बनना चाहिए, बल्कि पत्रकारों को चाहिए कि वे गहराई से पड़ताल कर सच्चाई सामने लाएँ। यह विचार खबर लहरिया की एडिटर कविता ने राम कृपा होटल में चम्बल मीडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि अक्सर देखा गया है कि महिला से जुड़ी खबरें चौपालों, चाय-पान की दुकानों और सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि किए तेजी से फैल जाती हैं। यह प्रवृति महिला सम्मान को ठेस पहुँचाती है, जबकि हर खबर की तह तक जाना पत्रकारिता का असली धर्म है।कार्यक्रम की प्रोग्राम लीड गार्गी ने कहा कि समाचारों में प्रतिस्पर्धा भले ही अधिक हो, लेकिन महिला संबंधी खबरों को लिखते समय नारी दृष्टिकोण अपनाना बेहद ज़रूरी है। वहीं, टीम मेम्बर सुनीता ने कहा कि चटपटी हैडिंग बनाने के बजाय महिला की ज़मीनी हकीकत को जानना और उसकी भावनाओं का सम्मान करना ही पत्रकारिता की सच्ची जिम्मेदारी है।कार्यक्रम का संचालन सुनीता प्रजापति और नाजनी रिज़वी ने किया। इस मौके पर सुधीर अग्रवाल (अमर उजाला), रमेश दुबेदी, ओंकार सिंह, जुगनू, संतोष बंसल, जियाउल्हक, मो. हारून सहित कई वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।इस संवाद के ज़रिये यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि महिला सम्मान और सुरक्षा को सबसे ऊपर रखते हुए पत्रकारिता की जानी चाहिए।

बदमाशों ने बोलेरो सवार दो लोगों पर बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां

»संवाददाता स्वराज इंडिया

सीतापुर।पुलिया पर पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने बोलेरो सवार दो लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। गोली लगने से दोनों की हालत नाजुक है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मामले की जांच की जा रही है। यूपी के सीतापुर में गुरुवार की देर रात बदमाशों ने बोलेरो सवार दो लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। हाथ और पैर में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुरानी रंजिश में हमला होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

घटना मछरेहटा थाना क्षेत्र के तहरापुर गांव की पुलिया के पास की है। क्षेत्र के ही बर्मी रोड सहसापुर निवासी अनूप शुक्ला (30) को टायफाइड है।

रात में उनकी तबियत बिगड़ी तो वह अपने भाई के साले प्रशांत अवस्थी (26) के साथ दवा लेने मछरेहटा गए थे। वहां से लौटते समय पुलिया के पास पहले से घात लगाए बैठे कई लोगों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी।

अनूप के दाहिने हाथ, जबकि प्रशांत के पैर में गोली लगने से दोनों घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

घायलों को सीएचसी, मछरेहटा पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉ अवनीश कुमार ने देर रात दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई।

एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार भी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। पुलिस को मौके से कारतूस के आठ खोखे बरामद हुए हैं।

बताया गया कि एक वर्ष पहले गांव में ही अनूप के भाई की हत्या हुई थी। मामले में 14 लोग नामजद थे। इनमें 10 आरोपी जेल से बाहर हैं। चार आरोपी जेल में हैं। पुलिस इस मामले को भी इसी रंजिश से जोड़कर जांच कर रही है।

गिरी गाज

(स्वराज इंडिया की ख़बर का धमाका)

स्वास्थ्य विभाग के 'महाभ्रष्टाचार' पर सीएम की गाज, प्रमुख सचिव आउट

» 40 लाख प्रति जिले के हिसाब से सीएमओ की पोस्टिंग का धंधा उजागर

» डॉ. रजनीश सिंह और आशीष सिंह की मुहिम बनी निर्णायक हथियार

» शून्य सहनशीलता' नीति पर योगी सरकार का कड़ा संदेश

एक साल से जारी खुलासों और शिकायती पत्रों पर सीएम का बड़ा एक्शन

स्वराज इंडिया
अयोध्या
..यूपी के स्वास्थ्य महकमे में बिकी सीएमओ की कुर्सी!
लखनऊ: 40 लाख में बिक रही सीएमओ की कुर्सी!

सीएम योगी आदित्यनाथ से अयोध्या के बीजेपी नेता डॉ0 रजनीश सिंह ने मिलकर की थी शिक़ायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/अयोध्या। जिस भ्रष्टाचार की परतें बीते एक साल से लगातार स्वराज इंडिया उजागर कर रहा था, और जिसे बीजेपी नेता डॉ. रजनीश सिंह व आशीष सिंह अपनी शिकायतों के जरिये सामने ला रहे थे आख़िरकार उस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा एक्शन ले ही लिया। गुरुवार को सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन को पद से हटा दिया। यह फ़ैसला उस वक्त हुआ जब डॉ. रजनीश सिंह ने ताज़ा शिकायती पत्र के साथ स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबरों की प्रतियां मुख्यमंत्री को सौंप दीं। स्वास्थ्य विभाग में सीएमओ की पोस्टिंग को लेकर करोड़ों के खेल की परतें खुल रही थीं। आरोप था कि औसतन 40 लाख रुपये प्रति जनपद की दर से लेन-देन हुआ, और शासन की जानकारी में आने के बावजूद धंधा बेरोकटोक जारी रहा। शिकायत पत्र में साफ लिखा गया वरिष्ठता सूची को दरकिनार कर पैसे वालों को मलाईदार पद दिए जा रहे हैं। यानी साफ है क स्वराज इंडिया की खबरें केवल कागज़ी नहीं रहीं, बल्कि सत्ता के गलियारे तक गूंजीं।मुख्यमंत्री ने अपने 'शून्य सहनशीलता नीति' की झलक दिखाते हुए सख्त कदम उठाया।स्वास्थ्य विभाग के भीतर की सड़ांध अब सिर्फ़ चर्चा नहीं, बल्कि कार्रवाई का कारण बन गई। अब सवाल ये है कि प्रमुख सचिव की बलि देकर क्या पूरे खेल पर नकेल कसी जाएगी? या फिर भ्रष्टाचार का यह महाभोज किसी नए मेज़बान के साथ फिर से जारी होगा? स्वराज इंडिया यही कहता है—खबर की ताकत होती है, और जब जनता का दबाव, शिकायतकर्ता की हिम्मत और मीडिया की सच्चाई मिल जाती है, तो सबसे ऊंची कुर्सियां भी हिल जाती हैं।

BHARTIYA JANTA PARTY, UTTAR PRADESH

तेज़तर्रार इंस्पेक्टर संजीव सिंह को दी गई पूराकलंदर थाने की कमान

एसएसपी के फैसले की सराहना

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।जिला पुलिस कप्तान डॉ. गौरव ग्रोवर ने एक बार फिर अपने दूरदर्शी और सटीक निर्णय का परिचय दिया है। अयोध्या कोतवाली में क्राइम इंस्पेक्टर पद पर दो वर्षों तक अपनी कार्यकुशलता का परचम लहराने वाले संजीव कुमार सिंह को अब पूराकलंदर थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।संजीव सिंह का पुलिस कैरियर उपलब्धियों से भरा है। रामजन्मभूमि और कुमारगंज जैसे अति संवेदनशील थानों पर उनकी शानदार कार्यशैली, और कोतवाली अयोध्या में अपराध नियंत्रण की कड़ी पकड़ ने उन्हें जनता का भरोसा और विभाग की सराहना दिलाई है। सरल स्वभाव और कठोर अनुशासन से पहचाने जाने वाले संजीव सिंह अब पूराकलंदर की चुनौतियों से दो-चार होंगे।कप्तान डॉ. ग्रोवर का यह निर्णय इस बात का संकेत है कि अयोध्या में पुलिस व्यवस्था अब और सख्ती तथा पारदर्शिता की राह पर है। संजीव सिंह से न केवल जनता बल्कि पूरा पुलिस महकमा आश्वस्त है कि वे पूराकलंदर में भी अपराध और अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसेंगे।

रूदौली सीएचसी में फर्श पर प्रसव मामले में होगा एक्शन

» डिप्टी सीएम ने दिए जांच और कार्यवाही के आदेश

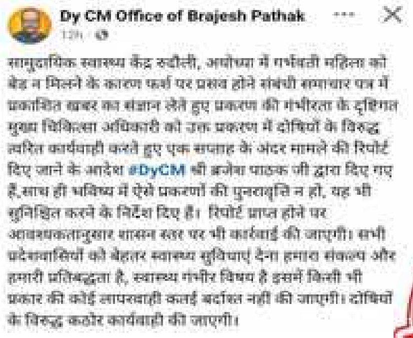
Dy CM Office of Brajesh Pathak
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली, अयोध्या में गर्भवती महिला को बेड न मिलने के कारण फर्श पर प्रसव होने संबंधी समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उक्त प्रकरण में दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करते हुए एक सप्ताह के अंदर मामले की रिपोर्ट दिए जाने के आदेश #DyCM श्री ब्रजेश पाठक जी द्वारा दिए गए हैं,साथ ही भविष्य में ऐसे प्रकरणों की पुनरावृत्ति न हो, यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार शासन स्तर पर भी कार्यवाही की जाएगी। सभी प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना हमारा संकल्प और हमारी प्रतिबद्धता है, स्वास्थ्य गंभीर विषय है इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

अयोध्या में स्वास्थ विभाग की बदहाली गैलरी लेवर रूम, फर्श बना प्रसूति कक्ष!

FOLLOW UP

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर रुदौली सीएचसी में नर्स की लापरवाही से गर्भवती महिला का प्रसव फर्श पर ने बड़ा असर डाला है। इस हृदयविदारक घटना को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने तत्काल संज्ञान में लिया है।डिप्टी सीएम ने अयोध्या के सीएमओ को सख्त निर्देश दिए हैं कि मामले की पूरी जांच कर दोषियों के खिलाफ एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही कर रिपोर्ट शासन को सौंपी जाए।उन्होंने साफ कहा कि रिपोर्ट आने के बाद शासन स्तर से भी कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बृजेश पाठक ने स्पष्ट संदेश दिया

प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का संकल्प है। स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब रुदौली सीएचसी में लापरवाही उजागर हुई हो, लेकिन इस बार स्वराज इंडिया की खबर ने सीधे सत्ता के शीर्ष तक दस्तक दी है और अब दोषियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

सिनेमाघरों में रिलीज हुई अजयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी

बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आई योगी की बायोपिक

साधु-संतों ने की पोस्टर पर छपे सीएम की पूजा

» लखनऊ, स्वराज इंडिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म अजेय आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. संतों और आम जनता में फिल्म को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। जिसको लेकर फिल्म के पोस्टर पर संतों ने वैदिक मंत्रों के साथ पूजा-अर्चना की और जनता से इसे देखने और सुपरहिट बनाने की अपील की। ख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म अजेय कल यानी 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अयोध्या में संतों, श्रद्धालुओं और आम जनता में इस फिल्म को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है। जिसको लेकर आज फिल्म के पोस्टर पर बने योगी आदित्यनाथ की प्रतीकात्मक तस्वीर पर संतों ने वैदिक मंत्रों के बीच तिलक कर पूजा-अर्चना की।

इस दौरान संत दिवाकराचार्य ने कहा कि यह फिल्म योगी आदित्यनाथ के जीवन की सच्चाई पर आधारित है और इसे सभी के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो फिल्म का विरोध कर रहे हैं। वहीं, संतों ने फिल्म के निर्माता सम्राट सिनेमैटिक का आभार जताया और कहा कि यह फिल्म समाज को प्रेरित करने का काम करेगी।

सीएम योगी के संघर्षों को दिखाती है मूवी

फिल्म में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका अभिनेता अनंत जोशी ने निभाई है. इसमें उनके आध्यात्मिक जीवन से लेकर उत्तराखंड की धरती से राजनीतिक यात्रा और विभिन्न संघर्षों का सजीव चित्रण किया गया है। फिल्म में उनके जीवन की असल घटनाओं और चुनौतियों को दिखाया गया है, जो जनता को प्रेरित करने वाला संदेश देती है. संतों ने आम जनता से अपील की है कि वे सिनेमा घरों में जाकर इस फिल्म को देखें और इसे सुपरहिट बनाने में मदद करें. फिल्म को रिलीज़ से पहले बॉम्बे हाईकोर्ट से मंजूरी मिल चुकी है और कोर्ट ने कहा कि फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है।

ष्टरू योगी पर बनी फिल्म के निर्माता फिल्म अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी÷ के निर्देशक रविंद्र गौतम हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन को बड़े ही सजीव और वास्तविक तरीके से पर्दे पर उतारा है। इस फिल्म को सम्राट सिनेमैटिक्स के बैनर तले बनाया गया है और निर्माता हैं रितु मेंगी। फिल्म में योगी आदित्यनाथ की भूमिका अभिनेता अनंत जोशी ने निभाई है, जबकि परेश रावल महंत अवैद्यनाथ के किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म शंतनु गुप्ता की किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर से प्रेरित है और इसमें योगी आदित्यनाथ के आध्यात्मिक जीवन, राजनीतिक यात्रा और उनके संघर्षों को प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है।

अनंत जोशी 35 साल के एक एक्टर हैं. उन्होंने वेब सीरीज वेब सीरीज, टीवी और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। अनंत का जन्म उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ है। उन्होंने ख्ल्ल बालाजी की साल 2019 में आई वेब सीरीज 'वर्जिन भास्कर' में एक शर्मीले लड़के और राइटर का रोल निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल की। उन्होंने कई बड़े और पॉपुलर वेब सीरीज- 'ये काली काली आंखें', 'मामला लीगल है' और 2023 में आई नेटफ्लिक्स ऑरिजनल कटहल में काम किया। साल 2023 में, अनंत ने विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' में प्रीतम पांडे का भी किरदार निभाया था।

आध्यात्मिक माहौलः शूट पर किसी ने नहीं खाया नॉनवेज

यह फिल्म फिल्ममेकर रविंद्र गौतम ने बनाई है। उन्होंने फिल्म के बारे में मीडिया से बात करते हुए बताया कि फिल्म के शूट के दौरान कास्ट ने नॉनवेज खाना नहीं खाया। रविंद्र ने बताया कि शूट के दौरान सेट पर आध्यात्मिक माहौल होता था। उन्होंने ऋषिकेश और धर्मशाला में फिल्म को शूट किया है। शूट के समच सुबह छह बजे 6 बजे आ जाते थे, तो गंगा के पास भजन और आरती हो रही होती थी। उससे इतनी शांति पैदा हुई कि उनकी फिल्म को मदद मिली। उन्होंने बताया कि शूट के दौरान किसी ने नॉनवेज नहीं खाया। सीबीएफसी के 29 कट्स के बारे में बात करते हुए रविंद्र ने कहा, अब तक, मुझे नहीं पता की सीबीएफसी ने फिल्म का विरोध क्यों किया। हाई कोर्ट को खुद फिल्म देखनी पड़ी, ये बहुत कुछ कहता है।

लोग उत्साहित हैं: बोरा

लखनऊ। भाजपा विधायक नीरज बोरा ने सीएम योगी आदित्यनाथ की बायोपिक फिल्म 'अजेय' के लॉन्च पर कहा- निश्चित रूप से इस फिल्म को देखने के लिए लोग उत्साहित हैं। यह फिल्म सीएम योगी के संघर्षमय जीवन, समाज और देश के लिए किए गए कार्यों का संकलन है। मुझे लगता है कि हर किसी को यह फिल्म देखनी चाहिए, इससे प्रेरणा मिलेगी। मैं भी प्रयास करूंगा कि अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को यह फिल्म दिखाऊं।

साढ़े नौ लाख में लखनऊवासियों को नवरात्र में एलडीए देगा फ्लैट

पारा की अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीस्टोरी योजना लॉन्च करेगा विभाग

» ईब्ल्यूएस फ्लैटों में भी लिफ्ट और डीजल जेनरेटर की सुविधा

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

इस नवरात्र एलडीए पारा की अटल बिहारी वाजपेयी मल्टीस्टोरी योजना लॉन्च करेगा। इस योजना में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और अल्प आय वर्ग (एलआईजी) के लिए 9.50 लाख रुपये से लेकर 20.50 लाख रुपये तक की कीमत के 2496 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। इसी तरह डालीबाग में 72 फ्लैटों वाली सरदार वल्लभ भाई पटेल मल्टीस्टोरी योजना भी लॉन्च की जाएगी।

पारा में अटल बिहारी आवासीय योजना का नाम पहले प्रसून नगर था। एलडीए वीसी ने बताया कि इसका नाम बदल कर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया गया है। इसका रजिस्ट्रेशन नवरात्र पर खोला जाएगा। इस योजना में ईब्ल्यूएस फ्लैटों में भी लिफ्ट और डीजल जेनरेटर (डीजी) की सुविधा मिलेगी। इसी तरह डालीबाग में ईडब्ल्यूएस फ्लैटों वाली योजना का नाम बदलकर सरदार पटेल के नाम पर रखा गया है। नाम बदलने के लिए एलडीए को रेरा में 2.50 रुपये अलग से शुल्क जमा करना होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी योजना

- 15 टॉवर बने हैं 12 से 19 मंजिल तक। 1832 फ्लैट 1 बीएचके के, कीमत 9.50 लाख रुपये, क्षेत्रफल 24.25 वर्ग मीटर
- 208 फ्लैट 2 बीएचके के, कीमत 17.16 लाख रुपये , क्षेत्रफल 37.62 वर्ग मीटर।
- 456 फ्लैट 2 बीएचके (मिनी एमएमआईजी) के, कीमत 20.39 लाख रुपये, क्षेत्रफल 44.69 वर्ग मीटर।

सरदार पटेल योजना, डालीबाग

- जी प्लस श्री के2 टॉवर हैं।
- 72 फ्लैट है 35 वर्ग मीटर के, कीमत 10.50 लाख रुपये।

घैला में गोमती किनारे 13.41 एकड़ में बनेगा नमो वन

वसंतकुंज योजना के पास घैला में गोमती किनारे नमो वन विकसित होगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने शहरों में नमे वन नाम से पार्क बनाने की घोषणा की थी। इसके तहत नगर निगम यह पार्क विकसित करेगा। इसके लिए बैला में 13.41 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने गुरुवार को चिह्नित जमीन का निरिक्षण किया।

तय योजना के मुताबिक, नमो वन में घने वृक्षों के साथ तितलियों को आकर्षित करने वाले पौधे और बांस भी लगाए जाएंगे। इसके साथ वॉटर बाडी, ओपन जिम, कैफेटेरिया और बर्ड-फ्रेंडली गार्डन तैयार किए जाएंगे। बच्चों और पर्यटकों के लिए शैक्षिक केंद्र बनाए जाएंगे। इसे विकसित करने में करीब 15 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है।

मियावाकी पद्धति से तैयार होगा उपवन

अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव ने बकाया कि नमो वन को मियावाकी पद्धति से विकसित किया जाएगा। इस पद्धति से 1,31,250 पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ जॉगिंग ट्रैक भी बनाया जाएगा, ताकि लोग हरियाली के बीच सुबह-शाम व्यायाम और सैर का आनंद ले सकें।

प्राकृतिक कैफेटेरिया भी बनेगा

नमो वन में प्राकृतिक कैफेटेरिया भी बनेगा। इसमें पक्के निर्माण के बजाय बैठने के लिए हरे-भरे घास के मैदान डिजाइन किए जाएंगे। यहां लोगों को ऐसा महसूस होगा, जैसे वे किसी प्राकृतिक उद्यान में भोजन कर रहे हों। इस कैफेटेरिया में स्थानीय और ऑर्गेनिक उत्पादों से बनी वस्तुएं भी मुहैया करवाई जाएंगी।